उत्तर प्रदेश में जामा मस्जिद पर सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के **संभल ज़िले में 16वीं सदी की मुगलकालीन जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया।** यह आदेश एक वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा दायर याचिका के बाद दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक धर्मांतरण पर दावे:**
  - याचिका में आरोप लगाया गया है कि संभल की **जामा मस्जिद मूलतः मोहल्ला कोट पूर्वी में स्थित** हरि हर मंदिर थी और इसे **1529 में मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया था।**
  - इसमें दावा किया गया है कि विवादित स्थल के प्रबंधन और नियंत्रण के लिये भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) **ज़िम्मेदार है।**
- **जमीयत उलमा-ए-हिंद:**
  - जमीयत उलमा-ए-हिंद ने उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 के महत्त्व पर प्रकाश डाला, जो **सभी पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को उसी रूप में संरक्षित करता है,** जैसा वे **15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में थे।**
  - उन्होंने हाल की न्यायिक कार्रवाइयों में इस कानून की उपेक्षा पर चिंता व्यक्त की तथा अयोध्या निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय **द्वारा इस अधिनियम का समर्थन किये जाने पर ज़ोर दिया।**
- **जामा मस्जिद का ऐतिहासिक संदर्भ**:
  - संभल में जामा मस्जिद **बाबर के शासनकाल (1526-1530) के दौरान निर्मित तीन मस्जिदों में से एक है।** अन्य मस्जिदों में पानीपत की मस्जिद और अब ध्वस्त हो चुकी बाबरी मस्जिद शामिल हैं।
    - **इतिहासकार हॉवर्ड क्रेन ने अपनी कृति, द पैट्रोनेज ऑफ बाबर एंड द ऑरिजिंस ऑफ मुगल आर्किटेक्चर** में मस्जिद की स्थापत्य कला की विशेषताओं का वर्णन किया है।
    - क्रेन ने एक फारसी शिलालेख का उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि बाबर ने अपने सूबेदार **जहाँगीर कुली खान के माध्यम से दिसंबर 1526 में मस्जिद के निर्माण का आदेश दिया था।**

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)

- **संस्कृति मंत्रालय** के अधीन ASI, देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- **प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष (एएमएएसआर) अधिनियम, 1958** ASI के कामकाज को नियंत्रित करता है।
- यह राष्ट्रीय महत्त्व के 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना **1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी।** अलेक्ज़ेंडर कनिंघम को “भारतीय पुरातत्व के जनक” के रूप में भी जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/survey-on-jama-masjid-in-uttar-pradesh